पटवारी के आने के बाद बवाल, चली वाटर कैनन और आंसू गैस

विरोध प्रदर्शन ● मंत्री के बंगले की ओर कूच, आंसू गैस के गोलों से थर्राया रसिया मोहल्ला, हुआ लाठी चार्ज, कई नेता समेत कार्यकर्ता हिरासत में

नईदुनिया प्रतिनिधि, रीवा: विंध्य की सियासी राजधानी रीवा आज एक बार फिर रणक्षेत्र में तब्दील हो गई। कल्पना मिश्रा और उसके नवजात की मौत के बाद उपजा आक्रोश आज "न्याय सत्याग्रह" के रूप में सड़कों पर फूट पड़ा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के रीवा पहुंचते ही ठंडा पड़ रहा आंदोलन अचानक आग का गोला बन गया और सीधा उप-मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के बंगले तक जा पहुंचा। पिछले कई दिनों से अग्रसेन चौराहे पर शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा धरना गुरुवार दोपहर बाद उस वक्त उग्र हो गया, जब मंच से जीतू पटवारी ने तीखे तेवर दिखाए। उन्होंने कल्पना मिश्रा के पिता की 9 दिन से जारी भूख हड़ताल और स्वास्थ्य मंत्री की चुप्पी को लेकर सरकार पर सीधा हमला बोला। बस, उनके भाषण के बाद कार्यकर्ताओं में ऐसा जोश भरा कि हजारों की भीड़ ने धरना स्थल से ही स्वास्थ्य मंत्री के आवास घेराव का ऐलान कर दिया।

बेरीकेट्स को तोड़ने का प्रयास करते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ता ● नईदुनिया

आंसु गैस का गोला दागते हुए पुलिसकर्मी ● नईदुनिया

मंच पर उपस्थित जीतू पटवारी ● नईदुनिया

जीतू पटवारी ने भरी हुंकार, स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग: जिला कांग्रेस कमेटी और युवा कांग्रेस नेता विक्रांत भूरिया के नेतृत्व में चल रहे इस धरने में मंच से सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए जीतू पटवारी ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को वेंटिलेटर पर बताया और उपमुख्यमंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के इस्तीफे की मांग की। दरअसल विपक्ष में बैठी कांग्रेस प्रदेशभर में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार हमलावर है। फिलहाल मामले में विक्रांत भूरिया और जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी पिछले कई दिनों से लगातार अनशन और धरने पर बैठे हैं।

विक्रांत भूरिया के नेतृत्व में निकला मार्च, पहले से तैयार थी पुलिस: धरने का नेतृत्व कर रहे युवा विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया के नेतृत्व में हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए स्वास्थ्य मंत्री के बंगले की ओर बढ़ने लगे। लेकिन पुलिस खुफिया तंत्र पहले से ही अलर्ट था। रसिया मोहल्ला के पास पुलिस ने तीन लेयर की बैरिकेडिंग, बांस-बल्ली और भारी पुलिस बल के साथ मोर्चा संभाल लिया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और सीएसपी सहित कई थानों का बल मौके पर तैनात था। जैसे ही कांग्रेसियों का जत्था रसिया मोहल्ला पहुंचा, पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। पहले समझाइश, फिर तीखी नोकझोंक और देखते ही देखते धक्का-मुक्की और झड़प शुरू हो गई कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने पर अड़े थे, जबकि पुलिस किसी भी हालत में उन्हें मंत्री के बंगले तक नहीं पहुंचने देना चाहती थी।

पहले पानी की बौछार, फिर आंसू गैस के गोले - दहल उठा बाजार: भीड़ जब बेकाबू होने लगी तो पुलिस ने पहला हथियार वाटर कैनन को बनाया। प्रदर्शनकारियों पर पानी की तेज बौछारें मारी गईं, जिससे कई कार्यकर्ता गिर पड़े, लेकिन भीड़ पीछे हटने को तैयार नहीं थी। इसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए आंसू गैस के गोले दागने शुरू कर दिए।पुलिस ने रसिया मोहल्ला और मुख्य बाजार इलाके में एक के बाद एक 10 से 12 आंसू गैस के गोले छोड़े।

गोलों से निकले जहरीले धुएं से पूरा बाजार धुंध में घिर गया। इसका असर सिर्फ कांग्रेसियों पर ही नहीं, बल्कि वहां मौजूद आम दुकानदारों, महिलाओं और राहगीरों पर भी पड़ा। लोगों की आंखों में तेज जलन होने लगी, आंखों से लगातार आंसू निकलने लगे और सांस लेना भी मुश्किल हो गया। देखते ही देखते मुख्य बाजार में भगदड़ मच गई। दुकानदार शटर गिराकर भागने लगे और राहगीर इधर-उधर छिपने लगे। करीब 20 मिनट तक पूरा इलाका युद्ध के मैदान जैसा नजर आया।

कई बड़े नेता हिरासत में, शहर में तनाव: हंगामे के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा और कांग्रेस के कई शीर्ष नेताओं सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया। हिरासत में लिए गए नेताओं में कई पूर्व विधायक और जिला पदाधिकारी भी शामिल हैं। फिलहाल रसिया मोहल्ला से लेकर स्वास्थ्य मंत्री के बंगले तक भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया है और तनाव की स्थिति बनी हुई है। क्यों भड़का इतना गुस्सा: दरअसल यह पूरा बवाल रीवा के संजय गांधी अस्पताल में कल्पना मिश्रा और उसके नवजात बच्चे की मौत के बाद शुरू हुआ है। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों की लापरवाही ने जच्चा-बच्चा दोनों की जान ले ली। इसी मामले में कल्पना के पिता पिछले 9 दिनों से सिरमौर चौराहे पर भूख हड़ताल पर हैं, जिनकी हालत अब बेहद नाजुक है और वे लेटकर अनशन कर रहे हैं।

कांग्रेस ने इसी मुद्दे को लेकर "न्याय सत्याग्रह" शुरू किया है। कांग्रेस का आरोप है कि मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और इसके सीधे जिम्मेदार स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल हैं। कांग्रेस लगातार स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है। आज जीतू पटवारी के आने के बाद इस आंदोलन ने अब आर-पार की लड़ाई का रूप ले लिया है।

कल्पना के पिता की भूख हड़ताल, तबीयत बिगड़ी

नईदुनिया प्रतिनिधि, रीवा : संजय गांधी अस्पताल में कल्पना मिश्रा और उसके नवजात की मौत का मामला अब सिर्फ एक मेडिकल लापरवाही का मामला नहीं रहा, बल्कि एक पिता के संघर्ष की कहानी बन गया है। अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए सिरमौर चौराहे पर भूख हड़ताल पर बैठे पिता राम शिरोमणि मिश्रा का आज 9वां दिन है और अब उनकी हालत बेहद नाजुक हो गई है। गुरुवार को अनशन स्थल पर मौजूद लोगों ने जब उन्हें देखा तो चिंता बढ़ गई। लगातार 9 दिनों तक अन्न का एक दाना भी पेट में न जाने से उनका शरीर जवाब देने लगा है। स्वजनों के मुताबिक, वे अब ठीक से बैठ भी नहीं पा रहे हैं और बातचीत करने में भी उन्हें काफी तकलीफ हो रही है। कमजोरी इस कदर बढ़ गई है कि पिछले दो दिनों से जो पिता टकटकी लगाकर बैठकर अनशन कर रहे थे, आज उन्हें लेटकर अनशन करना पड़ रहा है।

धरना स्थल पर लेटे पिता

न्याय नहीं तो अनशन नहीं टूटेगा : कल्पना के भाई और बेटे ने बताया कि पिताजी की हालत पहले से काफी ज्यादा खराब है। डाक्टरों ने भी आराम करने की सलाह दी है, लेकिन उन्होंने साफ कह दिया है कि जब तक उनकी बेटी को न्याय नहीं मिलता, तब तक वे अनशन नहीं तोड़ेंगे। परिवार का आरोप है कि कल्पना की मौत संजय गांधी अस्पताल की लापरवाही और बदहाल व्यवस्था के कारण हुई है। प्रसव के दौरान समय पर इलाज न मिलना और स्टाफ की लापरवाही ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। इसी को लेकर परिवार ने दोषी डॉक्टरों और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। परिवार का कहना है कि नौ दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया है, सिर्फ जांच का हवाला दिया जा रहा है। सिरमौर चौराहे पर पिता की इस हालत को देख स्थानीय लोगों की भीड़ जुट रही है और लोगों में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

शव से फंदे तक और फंदे से संदिग्धों तक पहुंचा स्पार्टन

● तालाब किनारे मिला था तेंदुए का शव 300 मीटर दूर खेत की बाड़ी में मिला क्लच वायर का फंदा और बाल

नईदुनिया प्रतिनिधि, सतना/कटनी: वन्यजीव अपराध की एक घटना में डॉग स्क्वाड के प्रशिक्षित डॉग स्पार्टन ने तेंदुए की मौत के पीछे छिपे घटनाक्रम की अहम कड़ी तलाश ली। वन परिक्षेत्र रीठी के देवरी बीट में गुरुवार को तालाब के किनारे मृत मिले तेंदुए के शव से सेंट लेकर सर्चिंग पर निकला स्पार्टन करीब 300 मीटर दूर खेत की बाड़ी के पास जाकर रुक गया। यहां तलाशी लेने पर क्लच वायर का फंदा और तेंदुए के बाल मिले। मौके के साक्ष्यों से प्रथमदृष्टया आशंका है कि तेंदुआ इसी फंदे में फंसा था और मौत के बाद उसके शव को वहां से उठाकर तालाब किनारे फेंका गया।

शव से शुरू हुई तलाश, फंदे तक पहुंचा स्पार्टन : जानकारी के अनुसार 10 सितंबर को वनमंडलाधिकारी सतना के आदेश पर वन मंडल सतना का डॉग स्क्वाड वन मंडल कटनी के वन परिक्षेत्र रीठी के देवरी बीट पहुंचा। तालाब के किनारे तेंदुए का शव मिलने के बाद टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद डॉग स्पार्टन को शव का सेंट देकर आसपास सर्चिंग के लिए भेजा गया। स्पार्टन सीधे करीब 300 मीटर दूर खेत की बाड़ी के पास पहुंचा और वहां रुक गया। वन अमले ने जब उस स्थान पर बारीकी से तलाशी ली तो क्लच वायर का फंदा मिला। आसपास तेंदुए के बाल भी मिले। इससे जांच की दिशा तालाब से हटकर उस स्थान पर केंद्रित हो गई। फंदा मिलने के बाद स्पार्टन को दोबारा सेंट देकर सर्चिंग कराई गई। इस बार भी प्रशिक्षित डॉग ने दिशा पकड़ी और 600 मीटर दूर एक खेत तक पहुंचा।

काचन नदी पर पुल की मांग को लेकर ग्रामीणों का जल सत्याग्रह

नईदुनिया प्रतिनिधि, सिंगरौली: देवसर विधानसभा क्षेत्र की डिग्घी ग्राम पंचायत के माटीडॉड़ टोले में काचन नदी पर पुल नहीं होने से ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित है। पुल निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष रतिभान प्रसाद साकेत के नेतृत्व में काचन नदी में उतरकर जल सत्याग्रह शुरू कर दिया है। नदी में जलस्तर बढ़ा हुआ है और क्षेत्र में बारिश का दौर जारी है, जिससे सत्याग्रह के दौरान सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार टोले में 100 से अधिक परिवार निवास करते हैं। बरसात के दौरान काचन नदी में पानी बढ़ने से आवागमन बाधित हो जाता है।

जलसत्याग्रह में बैठकर विरोध प्रदर्शन करते हुए ग्रामीण। ● नईदुनिया

इसका सीधा असर स्कूली बच्चों की पढ़ाई पर पड़ता है और कई बार स्कूल पहुंचना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि आपात स्थिति में 108 एंबुलेंस, 112 पुलिस सेवा और फायर ब्रिगेड भी गांव तक नहीं पहुंच पाते। गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाने में भारी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण कई बार जान जाने की घटनाएं भी हो चुकी हैं। रतिभान प्रसाद साकेत ने बताया कि 7 नवंबर 2022 को डीएमएफ मद से पुल निर्माण के लिए प्राक्कलन एवं तकनीकी स्वीकृति जारी की जा चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद अब तक निर्माण शुरू नहीं हुआ। आम आदमी पार्टी ने प्रशासन से स्वीकृत कार्य को जल्द शुरू कर काचन नदी पर पुल निर्माण कराने की मांग की है।

दो अवैध क्लीनिकों के शटर पर चस्पा हुआ नोटिस

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीधी: जिले में अवैध रूप से संचालित निजी क्लीनिकों के विरुद्ध स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार को कुचवाही में गणेश मंदिर के सामने संचालित दो निजी क्लीनिकों की औचक जांच की गई। जांच के दौरान दोनों क्लीनिक बिना वैध पंजीयन के संचालित पाए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दोनों क्लीनिकों का संचालन बंद कराते हुए उनके शटर पर नोटिस चस्पा किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे के निर्देशन में नोडल अधिकारी डॉ. नागेन्द्र बिहारी दुबे एवं लिपिक प्रकाश कुमार पांडे ने 10 सितंबर को कुचवाही पहुंचकर क्लीनिकों का निरीक्षण किया।

सांसद डा. मिश्रा के आग्रह पर आएंगे केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी

नईदुनिया प्रतिनिधि, सिंगरौली: जिले में कोयला परियोजनाओं से प्रभावित विस्थापित एवं पुनर्वास से जुड़े परिवारों की समस्याओं को लेकर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा की पहल रंग लाई है। सांसद ने केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात कर सिंगरौली दौरे का आग्रह किया था, जिसे केंद्रीय मंत्री ने स्वीकार कर लिया है। वे शीघ्र ही सिंगरौली पहुंचकर प्रभावित और विस्थापित परिवारों से सीधे संवाद करेंगे। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष कोयला खनन और विभिन्न परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों की समस्याओं को प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर वास्तविक स्थिति समझने के लिए केंद्रीय मंत्री का प्रभावित लोगों के बीच पहुंचना जरूरी है, ताकि समस्याओं की प्रत्यक्ष जानकारी लेकर उनके निराकरण की दिशा में प्रभावी पहल की जा सके। प्रस्तावित दौरे के दौरान केंद्रीय कोयला मंत्री विस्थापित एवं प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर विस्थापन, पुनर्वास, रोजगार, मुआवजा सहित अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। संबंधित विभागों और परियोजना प्रबंधन के अधिकारियों के साथ भी समस्याओं के समाधान को लेकर विचार-विमर्श किए जाने की संभावना है। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि सिंगरौली के विकास के साथ यहां के विस्थापित एवं प्रभावित परिवारों के हितों का संरक्षण भी उनकी प्राथमिकता है।

सीईओ जिपं ने आजीविका गतिविधियों का किया निरीक्षण

● स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर आय, रोजगार एवं मार्केट लिंकेज की ली जानकारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, सिंगरौली: मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिंगरौली संघप्रिय ने जनपद पंचायत चितरंगी का भ्रमण कर मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों का मैदानी स्तर पर निरीक्षण किया। भ्रमण की शुरुआत ग्राम समुआर से हुई, जहां अहिल्याबाई स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित हैंडलूम गतिविधि का अवलोकन कर समूह की महिलाओं से उत्पादों, उत्पादन क्षमता, बिक्री, मार्केट लिंकेज एवं आय की जानकारी ली गई। उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता एवं बेहतर बाजार उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके पश्चात "एक बगिया मां के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्य का निरीक्षण कर पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल सुनिश्चित करने तथा पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। ग्राम कतरीहार में पुलेट-ब्रीडर फीड फार्म की प्रगति का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से स्थानीय आदिवासी परिवारों को रोजगार एवं आय के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए तथा मौके पर उपस्थित उपयंत्री एवं सहायक उपयंत्री को निर्माण एवं विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। ग्राम अमिलहव में लेयर मुर्गी पालन गतिविधि का निरीक्षण कर महिलाओं से उत्पादन, बिक्री एवं आय की जानकारी ली तथा गतिविधि का विस्तार कर इसे नियमित एवं लाभदायक व्यवसाय के रूप में विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों की आजीविका गतिविधियां ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने, परिवार की आय बढ़ाने एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

निरीक्षण के दौरान कार्यों की जानकारी लेते हुए जिला पंचायत सीईओ। ● नईदुनिया

मैदानी भ्रमण के पश्चात जनपद पंचायत चितरंगी में ग्रामीण विकास विभाग एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी अपूर्ण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराए जाएं। पंचायत भवनों की गुणवत्ता, रंग-रोगन, साफ-सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने, प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों के आवास समय पर पूर्ण कराने तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान स्व-सहायता समूहों के बैंक लिंकेज, आजीविका गतिविधियों एवं महिलाओं की आय वृद्धि से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने तथा अधिक से अधिक समूहों को बैंकिंग सेवाओं एवं आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया गया।

सीईओ जिला पंचायत ने पौधरोपण कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित करने, सभी अपूर्ण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने तथा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं को स्थायी रोजगार एवं आय के अवसर प्राप्त हों।

punjab national bank
पंजाब नैशनल बैंक
मंडल कार्यालय, झर्रा टिकुरिया प्रथम मंजिल आस्था प्लाजा, कटनी - 483501
Email- coktnsamd@pnb.bank.in

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय सूचना

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई- नीलामी विक्रय नोटिस

आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ताओं और जमानतदारों/बंधककर्ताओं को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का प्रलक्षित/वास्तविक आधिपत्य/वास्तविक आधिपत्य/सांकेतिक आधिपत्य (इनमें से जो भी लागू होता हो) प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जो हो", "जहाँ है" "जो कुछ भी है" के आधार पर निम्नलिखित उधारकर्ताओं एवं जमानदार / बंधककर्ताओं से बैंक/प्रतिभूत लेनदार की निम्नलिखित रूपये की बकाया राशि की वसूली हेतु नीचे वर्णित दिनांक को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अग्रिम धनराशी निम्नलिखित है।

ई-नीलामी दिनांक एवं समय 30.09.2026 दोपहर 11:00 बजे से 05:00 बजे तक (आवश्यक होने पर सायंकल 05:00 बजे के बाद 10 मिनिट के अंतराल का विस्तार किया जाएगा)।
ईएमडी जमा करने की अंतिम दिनांक 29.09.2026 को रात्रि 11:00 बजे तक

निविदाकार अपने प्रस्ताव रु. 25,000/- (रुपए पच्चीस हज़ार मात्र) के गुणांक में बढ़ा सकेंगे

उधारकर्ता/गारंटर के नाम और पते	अचल संपत्तियों का विवरण गिरवी रखी गई संपत्ति / मालिक का नाम और सीमाएँ	A) डिमांड नोटिस की तारीख धारा 13(2) के तहत B) बकाया राशि C) कब्ज़े की तारीख D) कब्ज़े का प्रकार	A) रिज़र्व प्राइस B) EMD C) बोली में बढ़ोतरी ई-ऑक्शन की तारीख/समय
उधारकर्ता और बंधककर्ता- श्री सुबेंद्र कुमार सोंधिया पुत्र श्री बुद्धसेन सोंधिया (उधारकर्ता) पता- वार्ड नंबर 2, निपनिया तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) पिन 486001 2. श्री मो. सफीउल्ला पुत्र मोहम्मद रहमतुल्ला पता- 1, बीएसएनएल टॉवर के पास, निपानिया मुहल्ला तहसील हुजूर जिला - रीवा (म.प्र.) पिन 486001	1. अचल संपत्ति खसरा नंबर 15/1, म्यूटेशन के बाद 15/1/3, क्षेत्रफल 1200 वर्ग फुट; स्थान: वार्ड नंबर 2, J. नंबर 318, पटवारी हल्का नंबर 30, मौजा निपानिया RIC और ब्लॉक रीवा, तहसील हुजूर, जिला रीवा (म.प्र.) सीमाएं: पूर्व- 15 फुट चौड़ी प्रस्तावित सड़क, पश्चिम- छकोदीलाल कुशवाहा की ज़मीन, उत्तर- विक्रेता अनीस सिद्दीकी की शेष ज़मीन, दक्षिण- रजनीश श्रीवास्तव का प्लॉट। मालिक: सुबेंद्र सोंधिया, पिता बुद्धसेन सोंधिया।	20.03.2020 Rs. 26,94,188.39/- As on 30.06.2026 17.09.2020 Symbolic Possession	Rs. 20,00,000/- Rs. 2,00,000/- 0.25 Lakh 30.09.2026
उधारकर्ता और बंधककर्ता- 1. श्री प्रगेंद्र सिंह बागरी पुत्र लक्ष्मी पीडी सिंह (उधारकर्ता) पता- 1. ग्राम एवं पोस्ट चोरबारी, तह रघुराजनगर, जिला. सतना (म.प्र.) पिन 485001 पता- 2. गायत्री नगर, सेमेरिटन हॉस्पिटल के पास, पतेरी, सतना (एम.पी. पिन- 485001 2. श्रीमती. ममता बागरी पत्नी श्री उमेन्द्र बागरी (गारंटर) पता- 1. क्रिस्टुकुला मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल के पास, पतेरी जिला। सतना (म.प्र.) पिन 485001 पता- 2. ग्राम एवं पोस्ट - धुरहरा, तह रघुराजनगर, जिला। सतना (म.प्र.) पिन-485001	1. मौज़ा महादेव, PH नंबर 99, प्लॉट नंबर 117C, 117D, RNM- सतना प्रथम, तहसील रघुराजनगर, ज़िला- सतना (M.P.) में स्थित रिहायशी प्रॉपर्टी; खसरा नंबर 18a/64, कंप्यूटर खसरा नंबर 18/ka/64, एरिया 3000 वर्ग फ़ीट; जिसकी सीमाएँ 28.11.2011 के रजिस्टर्ड सेल डीड (बिक्री विलेख) के अनुसार इस प्रकार हैं: सीमाएँ: पूर्व- अस्पताल की सीमा, पश्चिम- सड़क, उत्तर- सड़क, दक्षिण- उर्मिला देवी कुशवाहा का प्लॉट; मालिक: श्री प्रगेंद्र सिंह बागरी, पिता श्री लक्ष्मी प्रसाद सिंह बागरी।	28.06.2021 Rs. 43,15,705.74/- As on 30.06.2026 29.01.2022 Symbolic Possession	Rs. 59,71,500.00/- Rs. 5,97,150.00/- 0.25 Lakh 30.09.2026

संपत्तियों पर भार जिनकी जानकारी प्रतिभूत लेनदार को है: जानकारी उपलब्ध नहीं है

सरफेसी अधिनियम 2002 व प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के अंतर्गत वैधानिक विक्रय सूचना

नियम एवं शर्तें : (1) विक्रय प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम व शर्तों के अधीन होगा तथा निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा। (2) संपत्तियों की बिक्री ''जो है'', ''जहाँ है'', ''जो कुछ भी है'' के आधार पर होगी (3) ऊपर वर्णित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी को प्राप्त जानकारी के आधार पर है। किन्तु प्राधिकृत अधिकारी किसी भी त्रुटि, गलत जानकारी, घोषणा में चूक लिए जिम्मेदार नहीं होगा। (4) विक्रय अधिकृत ऑन लाइन ई- नीलामी सेवा प्रदाता के द्वारा वेबसाइट https://baanknet.com पर दिये गए दिनांक व समय पर किया जाएगा। (5) संपत्ति विक्रय से संबंधित नियम एवं शर्तों के लिए कृप्या वेबसाइट https://baanknet.com, www.pnbindia.in, पर विजिट करें।

स्थान : कटनी, दिनांक - 10-09-2026
प्राधिकृत अधिकारी पंजाब नेशनल बैंक